विद्युत संकट का सच है कांटियाबाज

कट्स इंटरनेशनल की ओर से गायत्री शक्तिपीठ के हॉल में बुधवार को कांटियाबाज फिल्म का प्रदर्शन। -पत्रिका

भीलवाड़ा. जन भागीदारी से ही बिजली चोरी को रोका जा सकता है। इसके लिए लोगों को जागरूक करना होगा। बिजली चोरी कानूनन अपराध तो है ही, मगर सामाजिक बुराई भी। यह विचार बुधवार को कट्स इंटरनेशनल की ओर से गायत्री शक्तिपीठ के हॉल में कांटियाबाज नाम की फिल्म के प्रदर्शन के मौके पर मुख्य अतिथि जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामपाल शर्मा ने व्यक्त किए। कांटियाबाज यानी वे जो लाइन पर आंकड़ी डाल कर बिजली चोरी करते हैं। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग कश्यप व फेंटम ने किया है। फिल्म का बैकग्राउंड संगीत जरूर फिल्मी है, लेकिन कहानी नहीं। इस परिस्थिति से गुजरने वालों के हर पहलू को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है। यह फिल्म किसी एक व्यक्ति पर नहीं बल्कि समस्या पर प्रहार करती है।

कट्स इंटरनेशनल द्वारा गायत्री शक्तिपीठ स्थित हॉल में आयोजन

बिजली समस्या आधारित वृत चित्र का प्रदर्शन 5 को

भास्कर न्यूज | भीलवाड़ा

कंज्यूमर यूनिटी एंड ट्रस्ट सोसायटी (कट्स) संस्था द्वारा 5 नवंबर को गायत्री शक्तिपीठ के हॉल में काटियाबाज विषय पर पुरस्कृत वृत चित्र का प्रदर्शन किया जाएगा। इस दिन दोपहर 12 से 2.30 बजे तक यह वृत चित्र दिखाया जाएगा।

महामंत्री प्रदीप महता ने बताया कि काटियाबाज वर्ष 2013 का पुरस्कृत वृत चित्र है जो दीप्ति कक्कड़ व फहाद मुस्तफा द्वारा निर्देशित है। यह कानपुर शहर में दिवालिया हो चुकी बिजली कंपनी व शहरवासियों के बीच एक संघर्ष की कहानी है। इसे अनुराग कश्यप व फैंटम फिल्म्स द्वारा भारत के रंगमंच स्तर पर प्रस्तुत किया जा चुका है। इसे बर्लिन अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में भी प्रदर्शित किया गया है।

फिल्म के दौरान जिला स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि, विद्युत निगम व वितरण कंपनी, शैक्षिक संस्थाओं, उपभोक्ताओं संस्थाओं आदि से जुड़े प्रतिनिधि भाग लेंगे।

बिजली चोरी है सामाजिक बुराई

न्यूज सर्विस/नवज्योति, भीलवाड़ा

जन भागीदारी से ही बिजली चोरी को रोका जा सकता है इसके लिए जरूरी है कि लोगों को जागरूकता एवं संवेदनशील किया जाये क्योंकि बिजली चोरी करना कानूनन अपराध एवं सामाजिक बुराई है। यह विचार कट्स द्वारा गायत्री शक्तिपीठ हॉल में बुधवार को काटियाबाज नामक वृतचित्र प्रदर्शन के अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामपाल शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। इस अवसर पर उन्होंने विद्युत चोरी ना करने और ना ही करने देने का संकल्प दिलाया। विद्युत निगम के अधिशासी अभियंता राजपाल सिंह ने विद्युत चोरी रोकथाम के लिए विभिन्न स्तर पर लोगों में जागरूकता लाने एवं समुदाय में नैतिकता के विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बिजली चोरी रोकथाम में ग्रामीण स्तर पर युवाओं और सक्रिय महिला कार्यकर्ताओं की समितियां बनाई जाये जो विद्युत चोरी पर निगरानी कर सकें। कट्स इंटरनेशनल एवं ग्लोबलीस्तान फिल्म्स द्वारा

भीलवाड़ा में विद्युत चोरी रोकथाम पर आयोजित वृतचित्र कार्यक्रम में मौजूद अधिकारी एवं अन्य। -प्रेम

काटियाबाज नामक वृत चित्र के बारे में जानकारी देते हुए समन्वयक गौहर महमूद ने बताया कि यह फिल्म बिजली चोरी पर आधारित है जिससे कानपुर शहर में दिवालिया हो चुकी विद्युत वितरण कम्पनी व शहरवासियों के बीच एक संघर्ष की कहानी को दर्शाया गया है। यह संघर्ष दो मुख्य पात्रों पर केन्द्रित है इसमें एक महिला अधिकारी व दूसरा एक बिजली चोर जिन्होंने विद्युत कम्पनी के दिवालियापन को अपने-अपने संघर्ष से उजागर किया है। यह वृत्त चित्र अब तक बर्लिन अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह सहित विश्व भर के करीब 50 अन्य समारोहों में प्रदर्शित किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर इसे राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से नवाजा गया है। इस अवसर पर एडवोकेट प्रहलादराय व्यास, मानव तस्करी विरोधी यूनिट प्रभारी राजेन्द्र सिंह, पार्षद मंजू पोखरना, भंवरलाल खटीक, नेमीचंद गुर्जर, अनुराधा तोलम्बिया सहित कई वक्ताओं ने विचार व्यक्त किये। इस दौरान भदाली खेड़ा निवासी महिला कार्यकर्त्ता ने उसी के मौहल्ले में अवैध कनेक्शन से विद्युत चोरी के बावजूद भुगतान सभी कनेक्शनधारियों को करना पड़ रहा है इसकी नियमित जांच की मांग उठाई। कार्यक्रम में जिले की ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की महिलाएं, जागरूक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्त्ता सहित 135 से अधिक लोगों की सहभागिता रही। उप समन्वयक मदन गिरी गोस्वामी ने आभार व्यक्त किया एवं संचालन मदनलाल कीर ने किया।

विद्युत संकट का सच है कांटियाबाज

कट्स इंटरनेशनल की ओर से गायत्री शक्तिपीठ के हॉल में बुधवार को कांटियाबाज फिल्म का प्रदर्शन। -पत्रिका

भीलवाड़ा. जन भागीदारी से ही बिजली चोरी को रोका जा सकता है। इसके लिए लोगों को जागरूक करना होगा। बिजली चोरी कानूनन अपराध तो है ही, मगर सामाजिक बुराई भी। यह विचार बुधवार को कट्स इंटरनेशनल की ओर से गायत्री शक्तिपीठ के हॉल में कांटियाबाज नाम की फिल्म के प्रदर्शन के मौके पर मुख्य अतिथि जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामपाल शर्मा ने व्यक्त किए। कांटियाबाज यानी वे जो लाइन पर आंकड़ी डाल कर बिजली चोरी करते हैं। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग कश्यप व फेंटम ने किया है। फिल्म का बैकग्राउंड संगीत जरूर फिल्मी है, लेकिन कहानी नहीं। इस परिस्थिति से गुजरने वालों के हर पहलू को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है। यह फिल्म किसी एक व्यक्ति पर नहीं बल्कि समस्या पर प्रहार करती है।